जागरण

Thursday, 14 August 2025

विद्यार्थियों को मिला अनुशासन, ज्ञान और राष्ट्र सेवा का मंत्र

जागरण संवाददाता • जींद: चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के वाणिज्य और प्रबंधन संकाय ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए "उड़ान शिक्षा से सफलता तक" कार्यक्रम का आयोजन किया। इस समारोह का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की सुविधाओं, शैक्षणिक संरचना और उनके समग्र विकास के लिए उपलब्ध अवसरों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रोफेसर रामपाल सैनी ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व, अनुसंधान और नवाचार पर जोर देने के साथ-साथ सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिए ज्ञान, कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है। शिक्षा और दीक्षा दोनों का महत्व है, लेकिन उनके अर्थ और प्रक्रिया भिन्न हैं। शिक्षा ज्ञान और कौशल प्राप्त करने की प्रक्रिया है, जबकि दीक्षा का अर्थ गुरुओं के सानिध्य में शिक्षा प्राप्त करना है।

कार्यक्रम के दौरान नवागतुक विद्यार्थी स्टाफ के साथ। • सौ. विवि

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की बुनियादी सुविधाओं और सहायता प्रणालियों की जानकारी से हुई। विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं, खेल सुविधाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पुस्तकालय संसाधनों, छात्रावास सुविधाओं और छात्र कल्याण पहलों के बारे में बताया गया। प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष डा. जसवीर सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और छात्रों के समग्र विकास पर जोर दिया। जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डा. अजमेर सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट दृष्टिकोण और उद्देश्य विकसित करने के लिए प्रेरित किया। होटल और पर्यटन प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष डा. अनुपम भाटिया ने विद्यार्थियों को कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए उपायों की जानकारी दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक और नवप्रवेशी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अमर उजाला

Thursday, 14 August 2025

नए छात्रों को दिया ज्ञान का मंत्र : प्रो. रामपाल

सीआरएसयू में आयोजित समारोह में मौजूद स्टाफ और छात्र-छात्राएं। स्रोत : विवि

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में नए छात्रों के लिए नवदीक्षा एवं विद्यार्थी स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य नए छात्रों को विश्वविद्यालय की सुविधाओं, शैक्षणिक संरचना और उनके समग्र विकास के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों से परिचित कराना था। कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने छात्र-छात्राओं को शिक्षा के महत्व, अनुसंधान और ज्ञान का मंत्र दिया। जीवन में सफलता के लिए ज्ञान, कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है। संवाद